

वश्व का दूसरा सबसे बड़ा हीरा

स्रोत : इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में बोत्सवाना में कारोवे डायमंड माइन में 2,492 कैरेट के एक हीरे की खोज की गई है , जो वश्व का दूसरा सबसे बड़ा हीरा है । ज्ञातव्य है कि अब तक का सबसे बड़ा हीरा कुलनिन हीरा है, जिसका वज़न 3,106 कैरेट है, जिसे वर्ष 1905 में दक्षिण अफ्रीका में खोजा गया था ।

- इस हीरे को मेगा डायमंड रकिवरी (MDR) एक्स-रे ट्रांसमिशन (XRT) तकनीक का उपयोग करके पुनर्प्राप्त किया गया था, जो बड़े हीरों की पहचान और संरक्षण को बढ़ावा देता है ।
- बोत्सवाना एक प्रमुख हीरा उत्पादक देश है, बोत्सवाना के सकल घरेलू उत्पाद का 30% और इसके निर्यात का 80% हिस्सा हीरे से आता है ।
- हीरे का परिचय :
 - हीरा कार्बन का एक अपरूप है और पृथ्वी पर प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाला सबसे कठोर पदार्थ है ।
 - पृथ्वी के मेंटल में निर्मित और ज्वालामुखीय गतिविधि के माध्यम से सतह पर लाया गया यह पदार्थ डाइक एवं सिल्स जैसे ज्वालामुखीय भू-आकृतियों में पाया जाता है ।
 - उपयोग:
 - आभूषण, धातु पॉलिशिंग, जेम कटिंग और ड्रिलिंग के लिये एज कटिंग जैसे औद्योगिक अनुप्रयोगों में ।
 - भारत में प्रमुख स्थान:
 - पन्ना बेल्ट (मध्य प्रदेश), वज़रकरुर कम्बर्लाइट पाइप और कृष्णा नदी बेसिन (आंध्र प्रदेश) ।
 - पॉलिशिंग और कटिंग उद्योग सूरत, नवसारी, अहमदाबाद और पालमपुर में केंद्रित है ।
 - प्रमुख उत्पादक:
 - रूस, बोत्सवाना, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) ।

और पढ़ें: [प्रयोगशाला में निर्मित हीरे](#)